>

Title: Need to revive HMT factory in Uttrakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान उत्तराखंड स्थित एचएमटी फैक्ट्री की दुर्दशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। देश की धड़कन कही जाने वाली एचएमटी कम्पनी की स्थापना राज्य के औद्योगिक विकास एवं रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए तत्कालीन उद्योग मंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी ने 1982 में नैनीताल जिले के काठगोदाम के रानीबाग में की थी।

वर्तमान के पूंजीवाद और उदारीकरण के दौर में आज इस फैक्ट्री की हालत काफी खराब है। पिछले कई सालों से इस फैक्ट्री में उत्पादन नहीं हो रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से लगाई गई मशीनें बंद पड़ी हैं जिससे इसकी माली हालत भी काफी खराब हो गई है। फैक्ट्री में कार्यरत सैंकड़ों कर्मचारियों को पिछले 6 महीनों से वेतन का भुगतान भी नहीं हुआ है जिससे उनके परिवार के सदस्यों के लिए दो वक्त की रोटी का प्रबंध भी मुश्किल हो गया है। आज वे पानी पीकर रात को सो जाते हैं। उनका पेट काटा जा रहा है।

18.44 hrs.

(Shri Inder Singh Namdhari *in the Chair*)

मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश की धड़कन कही जाने वाली एचएमटी को रिवाइवल लिस्ट में सम्मिलित कर इसका पुनरुत्थान करे अथवा इन्हें डीआरडीओ/एचएएल/बीईएल कम्पनियों से काम दिलवाकर इसको दोबारा स्थापित करने का मौका प्रदान किया जाए।

रावी की रवानी बदलेगी सतलज का मुहाना बदलेगा

गर शौक में तेरे जोश रहा तस्वीर का जामा बदलेगा।

बेज़ार न हो बेज़ार न हो सारा फसाना बदलेगा

कुछ तुम बदलो कुछ हम बदलें तब तो यह ज़माना बदलेगा।

सभापति महोदय : रात जितनी ही संगीन होगी सुबह उतनी ही रंगीन होगी

रातभर का है मेहमां अंधेरा किसके रोके रुका है सवेरा।